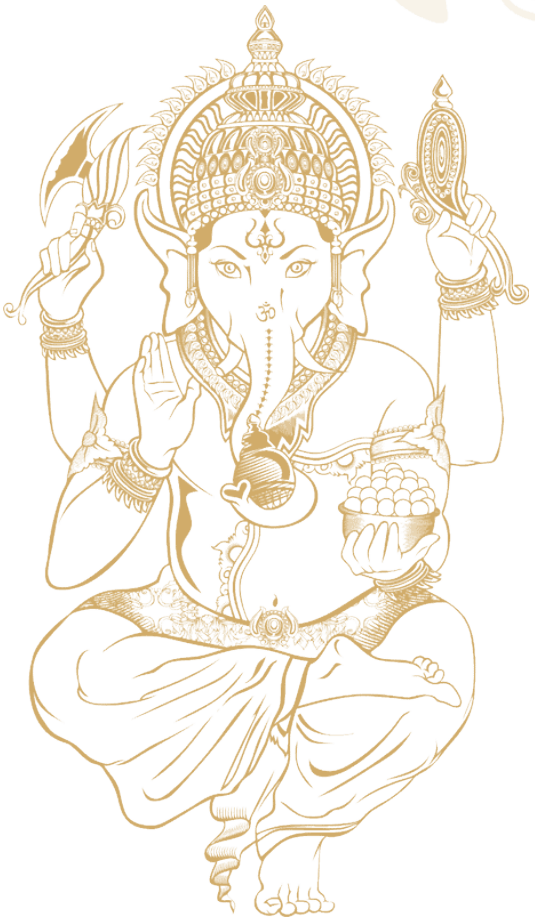

07 Jan 1985

04:10 AM

Hoshiarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121341307

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/01/1985**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:10:00 घंटे**
इष्ट	51:48:48 घटी
स्थान	**Hoshiarpur**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:30:00 उत्तर
रेखांश	75:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:43:56 घंटे
वेलान्तर	-00:05:49 घंटे
साम्पातिक काल	10:49:44 घंटे
सूर्योदय	07:26:28 घंटे
सूर्यास्त	17:37:31 घंटे
दिनमान	10:11:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	22:55:49 धनु
लग्न के अंश	07:42:43 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ऐन्द्र
करण	बव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	07:42:43	303:13:07	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
सूर्य			धनु	22:55:49	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	21:02:47	13:32:46	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	16:02:04	00:45:47	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			धनु	00:23:20	01:09:39	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
गुरु		अ	धनु	29:11:49	00:14:01	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	09:18:53	01:05:57	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	01:38:03	00:05:21	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		वृष	02:44:57	00:07:43	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	02:44:57	00:07:43	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	22:03:13	00:03:17	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
नेप			धनु	08:03:44	00:02:13	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो			तुला	10:49:58	00:01:04	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			सिंह	17:18:57	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:39

लग्न-चलित

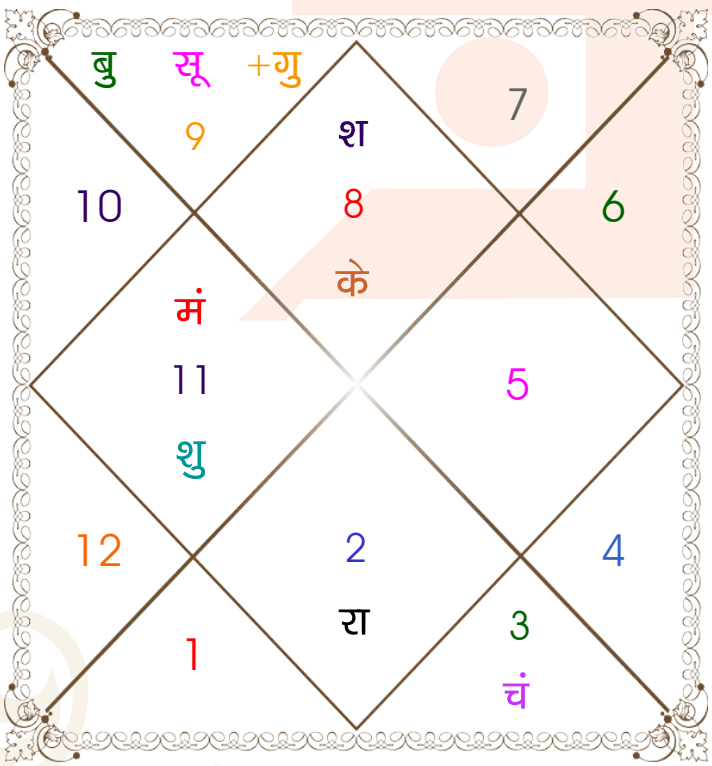

चन्द्र कुंडली

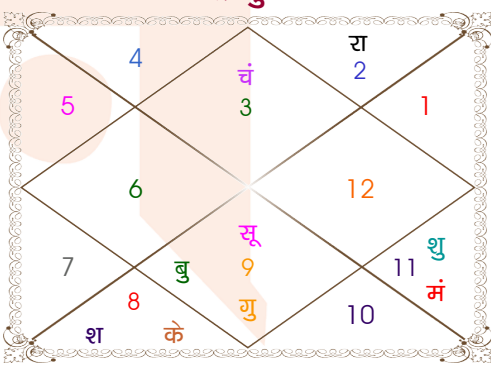

नवमांश कुंडली

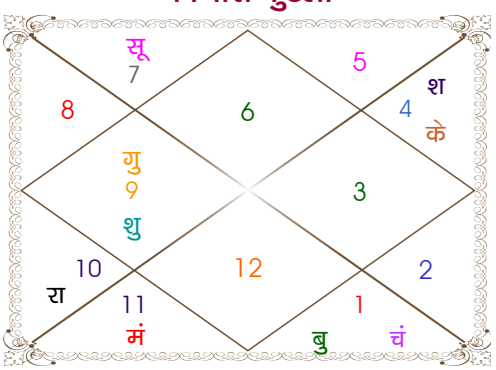

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 8 मास 28 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/01/1985		06/10/1999		06/10/2018		06/10/2035		06/10/2042	
06/10/1999		06/10/2018		06/10/2035		06/10/2042		06/10/2062	
गुरु	23/11/1985	शनि	09/10/2002	बुध	03/03/2021	केतु	03/03/2036	शुक्र	04/02/2046
शनि	06/06/1988	बुध	18/06/2005	केतु	01/03/2022	शुक्र	03/05/2037	सूर्य	05/02/2047
बुध	11/09/1990	केतु	28/07/2006	शुक्र	29/12/2024	सूर्य	08/09/2037	चंद्र	05/10/2048
केतु	18/08/1991	शुक्र	26/09/2009	सूर्य	05/11/2025	चंद्र	09/04/2038	मंगल	05/12/2049
शुक्र	18/04/1994	सूर्य	08/09/2010	चंद्र	06/04/2027	मंगल	05/09/2038	राहु	05/12/2052
सूर्य	05/02/1995	चंद्र	09/04/2012	मंगल	03/04/2028	राहु	24/09/2039	गुरु	06/08/2055
चंद्र	06/06/1996	मंगल	19/05/2013	राहु	21/10/2030	गुरु	30/08/2040	शनि	06/10/2058
मंगल	12/05/1997	राहु	24/03/2016	गुरु	26/01/2033	शनि	09/10/2041	बुध	06/08/2061
राहु	06/10/1999	गुरु	06/10/2018	शनि	06/10/2035	बुध	06/10/2042	केतु	06/10/2062

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/10/2062		05/10/2068		06/10/2078		06/10/2085		07/10/2103	
05/10/2068		06/10/2078		06/10/2085		07/10/2103		00/00/0000	
सूर्य	23/01/2063	चंद्र	06/08/2069	मंगल	04/03/2079	राहु	18/06/2088	गुरु	08/01/2105
चंद्र	25/07/2063	मंगल	07/03/2070	राहु	21/03/2080	गुरु	11/11/2090		00/00/0000
मंगल	30/11/2063	राहु	06/09/2071	गुरु	25/02/2081	शनि	17/09/2093		00/00/0000
राहु	24/10/2064	गुरु	05/01/2073	शनि	06/04/2082	बुध	06/04/2096		00/00/0000
गुरु	12/08/2065	शनि	06/08/2074	बुध	03/04/2083	केतु	24/04/2097		00/00/0000
शनि	25/07/2066	बुध	05/01/2076	केतु	30/08/2083	शुक्र	25/04/2100		00/00/0000
बुध	31/05/2067	केतु	05/08/2076	शुक्र	30/10/2084	सूर्य	20/03/2101		00/00/0000
केतु	06/10/2067	शुक्र	06/04/2078	सूर्य	06/03/2085	चंद्र	19/09/2102		00/00/0000
शुक्र	05/10/2068	सूर्य	06/10/2078	चंद्र	06/10/2085	मंगल	07/10/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 14 वर्ष 8 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्या राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। यह नक्षत्रीय समन्वयन इसका सूचक है कि आप वैदेशिक यात्रा करेंगे। यदि आप अपने कार्य कुशलता को समुचित रूप से प्रस्तुत किया तो ऐसी आशा है कि आपको विदेश में पुनर्वासित होने का सौभाग्य प्राप्त हो सकता है। सामान्यतया यह अस्थिरता का प्रतीक है कि आप अनेको बार वैदेशिक भ्रमण करेंगे क्योंकि आपमें अत्यंत ही भ्रमण करने की लालशा विद्य मान है।

आपका जनसामान्य के साथ अपरिवर्तनीय कपट पूर्ण व्यवहार होता रहेगा। आप प्रसन्नचित मुद्रा में अति मधुर भाषा में महत्वपूर्ण बाते करेंगे। आप सदैव विभिन्न प्रकार से अनेक मनोदशा से युक्त हृदय को संतुष्ट करने वाली बातें करेंगे। आप किसी भी व्यक्ति के साथ व्यवसायिक व्यवहार से ऊपर उठने अर्थात् उन्नति करने के उद्देश्य से बात करने के पश्चात यह महसूस करते हैं।

आप अपनी व्यवसायिक उन्नति एवं अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए किसी भी प्रकार का आचरण कर किसी भी हद तक जा सकते हैं।

आप सांसारिक सुखों की प्राप्ति एवं प्रसन्नता हेतु अच्छी प्रकार से विज्ञ हैं। आप अपने लाभदायक उपलब्धि हेतु तथा धन संचय हेतु अपने संबंधित व्यक्तियों को व्यवहार में लाएंगे। एक बार यदि धन प्राप्ति में सफल हो गए तो पुनः अपने संबंधी अथवा मित्रों को किसी भी प्रकार से सहायता करने में कोई अनिच्छा नहीं दिखाएंगे।

व्यवसायों में आपके लिए अनुकूल पेशा फिल्म अभिनेता, माइनिंग अभियंत्रिकी का पद उत्तम एवं लाभप्रद होगा। आप कृषि कार्य, कृषि उत्पादन एवं तेल इंजिन आदि का व्यवसाय करेंगे।

आप सदैव अपने परिवार की अच्छी सेवा किस तरह से किया जाए। ऐसा चिंतन करते हैं। आप किसी भी प्रकार की दुर्भावनाओं को त्याग कर अनेक प्रकार से अतिरिक्त समय निकाल कर अपने पारिवारिक सदस्यों की प्रसन्नता देना ही अपना लक्ष्य समझेंगे। आप एक समझदार, सहायक पत्नी एवं उदीयमान संतान को प्राप्त करने के संबंध में भाग्यशाली हैं। यदि आप अपने लिए जीवन संगिनी का चयन करना चाहें तो जिस जातक का जन्म वृश्चिक, मीन, कर्क, मकर, वृष तथा कन्या राशि में हुआ हों उनके साथ आपका सामंजस्य पूर्ण जीवन व्यतीत हो सकता हैं।

आप परिष्कृत ढंग से किसी भी प्रकार की कपटपूर्ण युक्ति में विश्वास रखते हो। इस प्रकार आप अपने धन का थोड़ा बहुत अंश भी अपव्यय कर दिए तो परिणाम स्वरूप आपको धन का अभाव हो जाएगा। अतः कुछ भी बचत करना चाहिए। यदि आप अपने अतिरिक्त अपव्ययकारी आदतों का त्याग नहीं कर सकें तो आपके बैंक में यथेष्ठ धन जमा नहीं हो

सकेगा।

आपके लिए अनुकूल व्यवसाय इंजिनीयरिंग, कृषि कार्य, चर्मोउद्योग एवं तेल इंजिन का कार्य व्यवसाय आदि लाभकारी प्रतीत होता है। उपरोक्त व्यवसायों में अपनी अभिरूचि के अनुसार व्यवसाय का चयन कर सकते हैं। इन व्यवसायों में जिस व्यवसाय से आप संबंधित हैं उसे भी करते रहने से लाभ होगा। यदि आप अभिनय के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त करें अथवा साहस करे तो यह कार्य भी अनुकूल हैं। वैसे स्वर्ण माइंस का कार्य अथवा स्वर्ण जेवरात बनाने का कार्य भी कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु कुछ वर्षो के बाद ऐसी आशंका है कि आप कुछ रोगों से आक्रांत हो सकते है। यथा ग्रंथि रोग एवं अनिंद्रा रोग का दुष्प्रभाव पड़ सकता है। अस्तु आपको पहले ही सुरक्षात्मक कदम उठाना उत्तम है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में लाभदायक एवं समय को अनुकूल बनाने वाला अंक 1, 2, 3, 4, 7 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक त्यागनीय है।

आपके लिए रंगों में सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुकूल नहीं हैं। स्पष्टतः आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी, एवं क्रीम रंग अनुकूल एवं मनभावन है।